बरेली, गुरुवार
3 अक्टूबर, 2024
नगर संस्करण

दैनिक जागरण

PAGE NO. 08 : TOP

डा. नरेश व डा. अर्जुमन्द को राममूर्ति प्रतिभा अलंकरण

स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व मंत्री श्रीराम मूर्ति की 36वीं पुण्यतिथि पर प्रतिभाओं का किया सम्मान

- नीट पीजी में 143 रैंक पाने वाली डा. अपूर्वा को दो लाख का इनाम
- कहानी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी किया पुरस्कृत

वरिष्ठ साहित्यकार डा. नरेश को सम्मानित करते एसआरएमएस के चेयरमैन देवमूर्ति, ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, सचिव आदित्य मूर्ति • सौजन्य से संस्थान

जागरण संवाददाता, बरेली : श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री श्रीराम मूर्ति की 36वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि दिवस समारोह में प्रख्यात साहित्यकार डा. नरेश और सामाजिक कार्यकर्ता डा. अर्जुमन्द जैदी को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित किया। उन्होंने नीट पीजी में आल इंडिया 143वीं रैंक हासिल करने वाली एसआरएमएस मेडिकल कालेज की एमबीबीएस छात्रा डा. अपूर्वा महेश्वरी को विशेष पुरस्कार के रूप में दो लाख रुपये नकद प्रदान किए। कहानी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया और एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थानों में अध्ययनरत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित की।

श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी स्थित शतिक प्रेक्षागृह में कार्यक्रम में देव मूर्ति ने बताया कि ट्रस्ट की स्थापना के साथ ही 1990 में छात्रवृत्ति देना आरंभ किया गया। पहले वर्ष 11 विद्यार्थियों को 21,000 रुपये छात्रवृत्ति में दिए गए। यह राशि आज 3.5 करोड़ रुपये पहुंच गई है। ट्रस्ट के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा की जा रही रिसर्च के साथ मेडिकल कालेज द्वारा संचालित हेल्थ एटीएम की जानकारी दी और गूगल बाबा से बीमारियों का इलाज पूछने से परहेज करने का संदेश दिया। राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण हासिल करने के बाद डा. नरेश ने इंसानियत को जिंदा रखने का संदेश देते हुए कहा कि सभ्यता और संस्कृति के साथ ही धर्म पर भी संकट है। धर्म को राजनीति के बजाय इंसानियत का आधार बनाया जाना चाहिए। बरेली कालेज के पूर्व प्राचार्य डा. अनुराग मोहन और एसके शर्मा ने स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति से जुड़े संस्मरणों को साझा किया। अंत में ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने आभार व्यक्त किया। संचालन डा. अनुज कुमार ने किया। इस मौके पर भोजीपुरा के विधायक शहजिल इस्लाम, ब्लाक प्रमुख योगेश पटेल, ट्रस्टी आशा मूर्ति, ऊषा गुप्ता, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा एवं सदस्य बोर्ड आफ गवर्नर, श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. महेन्द्र सिंह बुटोला, श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्राचार्य प्रो. प्रभाकर गुप्ता, निदेशक टीडीपी सेल डा. अनुज कुमार समेत सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्षों आदि ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

कहानी लगाव के लिए शिवानी कार्की को प्रथम पुरस्कार : कहानी प्रतियोगिता में विभिन्न प्रदेशों के 58 कहानीकारों ने हिस्सा लिया, जिसमें शिवानी कार्की को कहानी शीर्षक 'लगाव' के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में 11,000 रुपये एवं प्रमाण पत्र, कृतिका तिवारी को कहानी 'विद्याधन' के लिए द्वितीय पुरस्कार के रूप में 5,000 रुपये एवं प्रमाण पत्र, नितिन को कहानी 'सत्संगति' के लिए तृतीय पुरस्कार के रूप में 4,000 रुपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अनुभव सिंह के कहानी 'मयूरपंख' एवं निशान्त कुमार के कहानी 'सबसे बड़ा सुख-संतोष' को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 2500-2500 रुपये व प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

द गुरु स्कूल और एसआरएमएस सीईटी को चल वैजयंती : वाद-विवाद प्रतियोगिता में 24 विद्यालयों ने भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग की चल वैजयंती द गुरु स्कूल बरेली को प्रदान की गई। इसमें केशव भाटिया, जीआरएम (पक्ष) और कृतिका गंगवार, द गुरु स्कूल (विपक्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में 20 महाविद्यालयों ने प्रतिभाग किया। जिसमें राज प्रताप सिंह तोमर, बरेली कालेज (पक्ष) और राहुल भट्ट श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (विपक्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा दी जाने वाली स्मृति चिह्न चल वैजयंती श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी को प्रदान की गई।